सूबे के किसानों की विकास में महत्वपूर्ण भूमिका : मेवालाल

रोसड़ा (एसएनबी)। बिहार देश का सबसे बड़ा कृषि राज्य बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। यहां के किसान काफी कर्मठ एवं उर्जावान होते हैं। इनकी अद्भुत क्षमता देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। उक्त बातें राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के कुलपति डा. मेवालाल चौधरी ने कलवारा गांव में आयोजित 'किसान वैज्ञानिक विचार मंच' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

कलवारा गांव में कार्यक्रम आयोजित

इस अवसर पर उन्होने किसानों से कृषि के क्षेत्र में मॉडल बनने हेतु कई गुर बतलाये। उन्होने इसके लिए परियोजना के माध्यम से चातुर्दिक विकास से संबंधित कई सुझाव भी दिये। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गांव के कृषक एवं शिक्षाविद् सुदिष्ट नारायण कुंवर ने ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कृषि वैज्ञानिकों को सरकार द्वारा किसानों को मिलनेवाली सहायता प्रदान किये जाने की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का स्वागत सुधीर प्रसाद ने किया वहीं मंच संचालन डा. देवेन्द्र प्रसाद ने किया। मौके पर कार्यक्रम को चक्रधर कुंवर, कौशल प्रसाद सिंह, रामप्रकाश महतो, अशोक यादव, अनिल कुमार महतो आदि ने समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। डा. बी. सी. चौधरी ने किसानों से समन्यवित कृषि प्रणाली के विकास पर विस्तृत चर्चा की। डा. पूनम ने कहा कि महिलाओं की साझेदारी अच्छी–खासी होनी चाहिये तभी हम कृषि विकास के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। डा. मदन सिंह ने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत का रहना नितांत आवश्यक बताया।

मांग : अनुमंडल क्षेत्र के इण्डेन गैस उपभोक्ताओं में जनहित के मामले को देखते हुए अनुमंडल मुख्यालय, रोसड़ा में अतिरिक्त व्यवस्था के तहत पूर्व की भांति समस्तीपुर इंडेन गैस एजेन्सी से गैस उपलब्ध कराये जाने की मांग जिलाधिकारी से की है। उपभोक्ताओं ने अनुमंडल मुख्यालय, रोसड़ा में मात्र एक बोढ़न गैस एजेन्सी कार्यरत है जो भारत गैस के वितरक हैं।